Maulana Mazharul Haque Teachers' Training College

مولانا مظہر الحق ٹیچرس ٹریننگ کالج

Recognised by ERC, NCTE, Bhubaneswar,
Affiliated to L.N. Mithila University, Darbhanga & B.S.E.B., Patna

MATHURAPUR, SAMASTIPUR - 848101 (BIHAR) INDIA

VILLAGE CAMPUS & COMMUNITY WORK

Course B.Ed **Session** 2021-2023

Name Beny Kumari

Class Roll No. 210090

Board/ University Roll 2241204 No.

Reg. No. 2142910456 Year 2022

Scanned with OKEN Scanner

Date

सामुदायिक कार्यक्रम

परिचय : सामुदायिक कार्यक्रम सम्पूर्ण समुदाय के विकास की एक ऐसी पद्धति है जिसमें जन-सहभाग के द्वारा समुदाय के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने का प्रयत्न किया जाता है। भारत की लगभग 74 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामों में रहती है। जनसंख्या के इतने बड़े भाग की सामाजिक - आर्थिक समस्याओं का प्रभावपूर्ण समाधान किये बिना हम कल्याणकारी राज्य के लक्ष्य को किसी प्रकार भी पूरा नहीं कर सकते। भारत में स्वतन्त्रता के बाद से ही एक ऐसी वृहत योजना की आवश्यकता अनुभव की जाने लगी जिसके द्वारा ग्रामीण समुदाय में अशिक्षा, निर्धनता, बेरोजगारी, कृषि के पिछड़ेपन, गन्दगी तथा रूढ़िवादिता जैसी समस्याओं का समाधान किया जा सके। भारत में ग्रामीण विकास के लिए यह आवश्यक था कि कृषि की दशाओं में सुधार किया जाये, सामाजिक तथा आर्थिक संरचना को बदला जाये, आवास की दशाओं में सुधार किया जाये, किसानों को कृषि योग्य भूमि प्रदान की जाये, जन-स्वास्थ्य तथा शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाया जाये तथा दुर्बल वर्गों को विशेष संरक्षण प्रदान किया जाये।

Scanned with OKEN Scanner

Date

समुदाय विकास योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण जीवन का सर्वांगीण विकास करना तथा ग्रामीण समुदाय की प्रगति एवं श्रेष्ठतर जीवन-स्तर के लिए पथ प्रदर्शन करना है। इस रूप में सामुदायिक विकास कार्यक्रम के उद्देश्य इतने व्यापक हैं कि इनकी कोई निश्चित सूची बना सकना एक कठिन कार्य है। इसके पश्चात भी विभिन्न विद्वानों ने प्राथमिकता के आधार पर सामुदायिक विकास कार्यक्रम के अनेक उद्देश्यों का उल्लेख किया है।

इसकी प्राप्ति के लिए सर्वप्रथम सन् 1948 में उत्तर प्रदेश के इटावा तथा गोरखपुर जिलों में एक प्रायोगिक योजना क्रियान्वित की गयी। इसकी सफलता से प्रेरित होकर जनवरी 1952 में भारत और अमेरिका के बीच एक समझौता हुआ जिसमे भारत में ग्रामीण विकास के व्यापक विकास के लिए अमरीका के फोर्ड फाउण्डेशन द्वारा आर्थिक सहायता देना स्वीकार किया गया। ग्रामीण विकास की इस योजना का नाम सामुदायिक विकास योजना रखा गया तथा 1952 में ही महात्मा गाँधी के जन्म दिवस 2 अक्टूबर से 55 विकास खण्डों की स्थापना करके इस योजना पर कार्य आरम्भ कर दिया गया।

Scanned with OKEN Scanner

Date ____________

=) समुदाय का अर्थ, परिभाषा व महत्व :

समुदाय अंग्रेजी भाषा में Community कहलाता है जो Com व munis दो शब्दों से मिलकर बना है, Com का अर्थ एक साथ तथा munis का अर्थ है सेवा करना होता है, इस प्रकार समुदाय का अर्थ व्यक्तियों का आस-पड़ोस है जिनमें वे रहते हैं।

=) समुदाय की परिभाषा :-

(i) मेकाइवर व पेज के अनुसार,
"समुदाय सामाजिक जीवन के उस क्षेत्र को कहते हैं जिसे सामाजिक सम्बन्धता अथवा सामंजस्य की कुछ मात्रा द्वारा पहचाना जा सके।"

(ii) ग्रीन के अनुसार,
"व्यक्तियों का वह समूह जो जीवन की समान्य दशा को अपनाते हैं एक स्थानीय क्षेत्र समुदाय है।"

Date

=) Working With Community की अवधारणा :-

सामाजिक विकास में रुचि लेने वाले सभी व्यक्तियों को इसके अर्थ को समझे बिना इस योजना के कार्यक्षेत्र तथा सार्थकता के विषय में समुचित ढंग से नहीं समझाया जा सकता।

समाज शास्त्रियों के दृष्टिकोण से समुदायिक कार्यक्रमों को केवल सामुदायिक विकास की एक योजना मात्र ही नहीं समझा जा सकता है। बल्कि यह स्पष्ट में एक विचारधारा व संरचना है। अर्थात् यह विचारधारा के रूप में ऐसा कार्यक्रम है जो व्यक्तियों को समाज के प्रति उनके उत्तरदायित्व का बोध कराता है तथा एक संरचना के रूप में विभिन्न क्षेत्रों व उनके पारस्परिक प्रभावों को स्पष्ट करता है।

भारतीय संदर्भ में सामुदायिक कार्यक्रम से तात्पर्य एक ऐसी पद्धति से है जिसके द्वारा समाज की संरचना, आर्थिक साधनों, नेतृत्व के स्वरूप तथा जन सहभाग के बीच सामंजस्य स्थापित करते हुए समाज के चतुर्दिक विकास का प्रयत्न किया जाता है।

Scanned with OKEN Scanner

Date

=) **सामुदायिक कार्यक्रम का अर्थ :-**

"सामुदायिक कार्यक्रम एक ऐसा आंदोलन है जिसका उद्देश्य सम्पूर्ण समुदाय के लिए उच्चतर जीवन स्तर की व्यवस्था करना है. इस कार्य मे प्रेरणा शक्ति समुदाय की ओर आनी चाहिए। तथा प्रत्येक समय इसमें जन - मानस का सहयोग होना चाहिए।"

"योजना आयोग के प्रतिवेदन मे सामुदायिक कार्यक्रम के अर्थ को स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि जिसके द्वारा नवीनतम साधनों की खोज करके समाज के समाजिक, जीवन आर्थिक, जीवन स्तर को ऊँचा उठाया जाता है।"

=) **सामुदायिक कार्यक्रम का उद्देश्य :-**

सामुदायिक कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जन साधारण के जीवन का सर्वांगीण विकास करना है। ग्रामीण समुदाय की प्रगति एवं श्रेष्ठतम जीवन - स्तर के पथ को प्रदर्शन करना है। इस रूप मे समुदायिक कार्य के उद्देश्य इतने व्यापक है कि इनकी कोई निश्चित सूची बनाना अत्यंत कठिन कार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

Date

सामुदायिक कार्यक्रम के महत्वपूर्ण उद्देश्य निम्नलिखित है :-

(i) समाज मे एक मनोवैज्ञानिक परिवर्तन लाना ताकि समाज की नवीनतम आकांक्षाओ, प्रेरणाओ, प्रविधियो एवं विश्वासो को ध्यान मे रखते हुए मानव शक्ति के विकास मे सुधार लाना।

(ii) देश का कृषि उत्पादन प्रचुर मात्रा मे बढ़ाने का प्रयास करना, संचार सुविधाओ का विस्तार, शिक्षा का प्रचार-प्रसार सामाजिक स्वस्थ्य और सफाई की दशाओ मे सुधार करना।

(iii) समाज मे समाजिक व आर्थिक जीवन के आधार के सुधार हेतु सुव्यवस्थित रूप से सांस्कृतिक परिवर्तन की प्रक्रिया का प्रारम्भ करना।

(iv) उत्तरदायी व कुशल नेतृत्व का विकास करना। सम्पूर्ण जन साधारण को आत्मनिर्भर व प्रगतीशील बनाना।

(v) सामाजिक व आर्थिक स्तर को ऊँचा उठाने के लिए आधुनिकरण को बढ़ावा देना।

Scanned with OKEN Scanner

Date

(vi) राष्ट्र के भावी नागरिकों के रूप में युवा शक्ति के समुचित विकास पर ध्यान देना।

(vii) सामाजिक स्वास्थ्य व सुरक्षा को बढ़ावा देना।

=) सामुदायिक कार्यक्रमों का महत्व :-

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है समाज मे रहते हुए उसके अपने समुदाय के प्रति कुछ कर्तव्य है। इस कर्तव्य के पूर्ति हेतु व समाज के कल्याणमय कार्य करता है।

* सामुदायिक कार्यक्रमों से व्यक्ति मे सामुदायिक भावना का विकास होता है।

* सामुदायिक कार्यक्रमों का प्रमुख उद्देश्य मनुष्य व समाज की भलाई होता है जिससे सामाजिक दशाओं मे सुधार होता है।

* समाज मे एकता व समरूपता की भावना का विकास होता है।

1. "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ" योजना

0-6 साल वर्ग मे 1000 लड़को के बीच परिभाषित बाल लिंग अनुपात मे प्रति

Scanned with OKEN Scanner

Date

लड़कों की संख्या में प्रति लड़कियों की संख्या मे गिरावट की प्रवृत्ति 1961 से लगातार देखी जा रही है, 1991 ई० मे यह संख्या 945/1000, 2001 मे 927/1000 और 2011 मे यह संख्या 918/1000 पहुँचने पर इसे खतरे मे मानते हुए इसे सुधारने के प्रयास किये गए। लिंग अनुपात मे गिरावट का यह स्तर सीधे तौर पर समाज मे महिलाओं के स्थान की ओर इशारा करता है। जो जन्म पूर्व लिंग भेद-भाव और इसके चयन की ओर इशारा करता है। चिकित्सीय सुविधाओ की सरल उपलब्धता व नवीन तकनीक जन्म पूर्व बच्चे के चयन को संभव बनाकर लिंग अनुपात घटाने मे आलोचनात्मक रूप से सामने आयी है।

"बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ" योजना महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय की संयुक्त पहल है इसमे जमान्वीत व अभिसारित प्रयासों के अंतर्गत बालिकाओं को संरक्षण और सशक्त करने के प्रयास के लिए किए गए। इस योजना की शुरुआत "22 जनवरी 2015" को की गयी है जिसे निम्न लिंगानुपात वाले 100 जिलो से प्रारंभ किया गया है। सभी राज्यों, संघ शासित क्षेत्रो को कवर 2011 की

Date

जनगणना के अनुसार निम्न बाल लिंगानुपात के आधार पर प्रत्येक राज्य मे कम से कम एक जिले के साथ 100 जिलों का यह पायलट प्रोजेक्ट के रूप मे चयन किया गया था। जिसे बाद मे बढ़ाकर 161 जिले कर दिया गया था।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के प्रमुख उद्देश्य :-

(i) पक्षपाती लिंग चुनाव की प्रक्रिया का उन्मूलन व लिंग भेद की समस्या का निराकरण करना।

(ii) बालिकाओं का अस्तित्व व सुरक्षा सुनिश्चित करना।

(iii) बालिकाओ की शिक्षा सुनिश्चित करना।

(iv) समाज मे महिलाओं व लड़कियों को स्वतंत्रता व समानता का अधिकार दिलाना।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत शुरू की गयी योजनाएं

BBBP योजना का सीधा सम्बन्ध किसी पैसे या अन्य जमा से नही है। इसमें सरकार को

Scanned with OKEN Scanner

Date

मुख्य उद्देश्य समाज में लड़कियों को जागरूक करना है। लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से अन्य योजनाओं को BBBP के तहत लाया गया है जिनके द्वारा बेटियों के भविष्य को लेकर कुछ सेविंग के लिए प्रेरित (Motivate) हो। ऐसी ही कुछ प्रमुख योजनाएँ निम्न है।

- सरकार चाहती है, कि बेटी जब जन्म लेती है, उसके माता पिता उसी समय से कुछ न कुछ बेटी के नाम से जमा करें। जो उनके भविष्य में पढ़ाई या शादी के लिए काम आएंगे। जो उनके भविष्य को ध्यान रखते हुए सरकार कई योजनाएं लायी है। जिसमे यदि माता पिता बेटी के भविष्य के लिए कुछ सेविंग करते है, तो उन्हें अच्छा रिटर्न मिले।

- इन योजनाओं में सुकन्या समृद्धि, लाडली लक्ष्मी योजना, बालिका समृद्धि योजना, व धनलक्ष्मी योजना आदि प्रमुख है। इन सभी योजनाओं में से सुकन्या समृद्धि योजना को सरकार द्वारा BBBP योजना को ध्यान में रखते हुए लाया गया है। इसके तहत 0 से 10 वर्ष तक की लड़की का इसमें खाता खुलवाया जाता है कुल 14 वर्ष तक मासिक या सालाना पैसा जमा किया जाता है।

Date

=) विद्यालय मे क्रिया का पुष्ठाधान :-

इस अभियान के प्रति छात्राओं मे जागरूकता उत्पन्न करने के लिए हमने एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें इस योजना के बारे मे छात्राओं को जागरूक किया।

=) क्रिया का छात्राओं पर प्रभाव :-

(i) कन्या भ्रूण हत्या के संबंधित जागरूकता पैदा करवाया।
(ii) लिंग समानता के प्रति जागरूकता का प्रसार।
(iii) बेटियों को पढ़ाने हेतु जागरूकता की भावना का विकास।

सुझाव :- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान कॉलेज, स्कूलों के माध्यम से चलाया जाए यानी सारे छात्र-छात्राओं को इस योजना के बारे मे जागरूक किया जाए। जिससे भावी पिढ़ी मे उचित अभिवृत्ति का विकास हो सके।

Scanned with OKEN Scanner

Date

2. "स्वच्छ भारत अभियान"।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल व गाँधी जी के 'स्वच्छ भारत सुन्दर भारत' को साकार करने के लिए "स्वच्छ भारत अभियान" भारत सरकार द्वारा आरंभ किया गया। यह राष्ट्रीय स्तर का अभियान है जिसका उद्देश्य सड़कों तथा शहरों को साफ-सुथरा रखना और कूड़ा साफ करना है। इस अभियान की शुरुआत "02 oct 2014" को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जन्मदिवस पर हुई। प्रारंभ में यह स्वच्छ भारत अभियान राष्ट्रीय स्तर पर सभी गांवों, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में चलाया गया।

अभियान का उद्देश्य :-

इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य कलस्टर और सामुदायिक शौचालय के निर्माण से खुले में शौच की समस्या को कम करना या समाप्त करना है। जिसके लिए 1.96 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से ग्रामीण क्षेत्रों मे 1.2 करोड़ शौचालयों का निर्माण करके खुले मे शौचालय मुक्त भारत को हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है।

Scanned with OKEN Scanner

Date ____________

=) शहरी क्षेत्रों के लिए स्वच्छ भारत अभियान:-

इस अभियान का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों मे 1.04 करोड़ परिवारों को लक्षित करते हुए 2.5 लाख सामुदायिक शौचालयों का निर्माण, और 2.6 लाख सार्वजनिक शौचालय निर्माण करवाना है। स्वच्छ भारत मिशन - शहरी 2.0 (2021-2026) का लक्ष्य ODF से आगे बढ़कर ODF + और ODF ++ (खुले में शौच से मुक्ति), तक जाना तथा शहरी भारत को कचरा - मुक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करना है। इसमें स्थायी स्वच्छता प्रथाओं, अपशिष्ट प्रबंधन एवं एक चक्रिय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर बल दिया गया।

=) स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (SBM-G)

मिशन को राष्ट्रव्यापी अभियान / जनांदोलन के रूप में लागू किया गया था। जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में शौच को समाप्त करना था। इस मिशन के अंतर्गत 10 करोड़ से ज्यादा व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण किया गया। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण - II को वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक की अवधि के लिये 1,40,881 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय के साथ एक मिशन के रूप में कार्यान्वित किया जाएगा।

Date ____________

=) स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शहरों की रैंकिंग

2014 में शुरू किए गए स्वच्छ भारत अभियान के लिए भाग के रूप में हर साल, भारत भर के शहरों और कस्बों को उनकी स्वच्छता और स्वच्छता अभियान के आधार पर 'स्वच्छ शहर' की उपाधि से सम्मानित किया जाता है।

(i) मध्य प्रदेश का इंदौर भारत का सबसे स्वच्छ शहर है और उत्तर प्रदेश का गोंडा सबसे गंदा शहर है।

(ii) 10 सबसे स्वच्छ शहरों में से 2 मध्य प्रदेश गुजरात और आंध्र प्रदेश से हैं जबकि कर्नाटक, तमिलनाडु, दिल्ली और महाराष्ट्र में से प्रत्येक में एक है।

(iii) 10 सबसे गंदे शहरों में से 5 शहर उत्तर प्रदेश के हैं, 2 शहर बिहार और पंजाब के हैं और एक शहर महाराष्ट्र का है।

(iv) 500 में से 118 शहर खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) पाए गए।

(v) 297 शहरों में 100% घर-घर से कचरा संग्रहण होता है।

(vi) 37 लाख नागरिकों ने स्वच्छ सर्वेक्षण में रुचि दिखाई।

(vii) 404 शहर ऐसे हैं जहाँ 75% आवासीय

Scanned with OKEN Scanner

Date ______

क्षेत्र काफी हद तक साफ पाए गए।

(viii) शीर्ष 50 सबसे स्वच्छ शहरों में गुजरात के सर्वाधिक 12 शहर हैं, इसके बाद मध्य प्रदेश के 11 और आंध्र प्रदेश के आठ शहर हैं।

निष्कर्ष

स्वच्छता को जीवन चक्र के मुद्दे के रूप में देखा जाना चाहिए और इसलिए कार्यस्थल, शिक्षा और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता सुविधाएँ प्रदान करना महत्वपूर्ण है। इसके लिए सही समय पर सही जगह और सबसे उपयुक्त तरीके से निवेश की आवश्यकता होती है।

=) विद्यालय मे क्रिया प्रबंधन :-

समाज मे स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए हमने विद्यालय मे एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया। छात्रो को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया व अपने - अपने अनुभवों को साझा किया। इसके पश्चात सभी विद्यार्थीयो को

Scanned with OKEN Scanner

Date ____________

अपने आस - पास साफ - सफाई रखने कि महत्वता बतलाई ।

क्रिया का प्रभाव :-

(i) सभी छात्राएँ अपनी - अपनी वातावरण जैसे की विद्यालय, कक्षा, गृह आदि को स्वच्छतापूर्वक रखने के प्रति जागरूक हुए ।

(ii) छात्राओं ने अपने जीवन मे स्वच्छता के महत्व को समझा ।

(iii) छात्राओं ने स्वस्थ्य के लिए स्वच्छता की अनिवार्यता को समझा ।

सुझाव :-

यद्यपि राज्य व केन्द्र सरकार स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए अनेक प्रयास कर रही है तथा अनेक कार्यक्रमों को चलाया जा रहा है । परन्तु जन - साधारण को भी अपने स्तर पर इसके लिए प्रयास करने की आवश्यकता है ।

Scanned with OKEN Scanner